THE C.E.S. COLLEGE OF ARTS $ COMMERCE, CUNCOLIM, SALCETE-GOA

S.Y.B.A. III SEMESTER END EXAMINATION, OCT. / NOV.2019

SUB: HINDI (DSC) PAPER CODE NO. HNC 1

HINDI SAHITYA KA AADIKAL EVAM MADYAKAAL: PARICHAYATMAK ADHYAYAN

TIME: 10.00 a.m. To 12.00 noon DURATION: 2 hrs.

DATE: 28.10.2019 MAXIMUM MARKS: 80

प्र.1. निम्नलिखत 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (लगभग 100 शब्दों में) (16)

i) 'दोहाकोश' किसकी रचना है? रचनाकार का संक्षेप में परिचय दीजिए।

ii) नाथ साहित्य की किन्हीं दो प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

iii) रामभक्ति काव्यधारा के किन्हीं चार कवियों के नाम लिखते हुए प्रमुख कवि का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

iv) 'ढोला मारू रा दूहा' के रचनाकार और उसकी भाषा बताइए।

v) रैदास ने राम की महिमा का वर्णन किस प्रकार किया है?

vi) रत्नसेन के मन में पद्मावती के प्रेम-भावना का चित्रण जायसी ने किस प्रकार प्रस्तुत किया है?

प्र.2. निम्नलिखत 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (लगभग 100 शब्दों में) (16)

i) रीतिबध्दऔर रीतिमुक्त काव्यधारा मेंअंतर बताइए|

ii) अष्टछाप पर चर्चा करते हुए के किन्हीं चार कवियों का उल्लेख कीजिए।

iii) संत काव्य धारा के भक्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

iv) कृष्ण को प्राप्त करने के लिए मीरा ने कौन-से साधन अपनाए?

v) देव किस काल के कवि रहे हैं और किस धारा से जुड़े रहे?

vi) गोपियों को कौन-सी भक्ति पसंद है और क्यों?

प्र.3.निम्नलिखित अवतरणों का भावार्थ लिखिए। (लगभग 200 शब्दों में) (12)

अ) कवन देव कह जाइ परसौं। जेहि सुमेरु हिय लाई गरासौं।
गुपुट जो फल साँसहि परगटे। अब होई सुभर चहहिं पुनि घटै।
भए संजोग जाऊन रे अस मारना। भोगी भए भोग का करना॥
जोबन चंचल ढीठ है करे निकाजही काज।

अथवा

अ) पावस आयउ साहिबा, बॉलर लागा मोर।
काँटा, तू घरि आव नावि, जोबन कोभउ ज़ोर॥

Scanned with CamScanner

आ) राम-नाम-रस पीजै |
मनवा ! राम-नाम-रस पीजै |
तजि कुसंग सत्संग बैठि नित, हरि-चर्चा सुणि लीजै |
काम क्रोध मद मोह लोभ कूं, चित से बाह्य दीजै |
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, त के रंग में भीजै |

अथवा

आ) मन माने की बात |
ऊधौ मन माने की बात |
दाख छूआरा छांडि अमृत फल विषकीरा विष खात ||
ज्यौं चकोर को देइ कपूर कोउ तजि अंगार अघात |
मधुप करत घर कोरि काठ में बंधत कमाल के पात ||

प्र.4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए| (लगभग 400 शब्दों में) **(12)**

आदिकाल की राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए |

अथवा

दो टिप्पणियाँ लिखिए| (लगभग 200 शब्दों में) **(6+6)**

i) जैन साहित्य |

ii) आदिकाल का धार्मिक परिवेश|

प्र.5. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए | (लगभग 400 शब्दों में) **(12)**

रामभक्ति काव्यधारा की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए |

अथवा

दो टिप्पणियाँ लिखिए| (लगभग 200 शब्दों में) **(6+6)**

i) संत काव्यधारा |

ii) कृष्णभक्ति काव्य में भक्ति का स्वरूप|

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए| (लगभग 400 शब्दों में) **(12)**

रीतिकाल की राजनीतिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए |

अथवा

दो टिप्पणियाँ लिखिए| (लगभग 200 शब्दों में) **(6+6)**

i) रीतिमुक्त काव्यधारा |

ii) देव की नायिका का वियोग-वर्णन|

xxxxxxxxxxxxx

Scanned with CamScanner